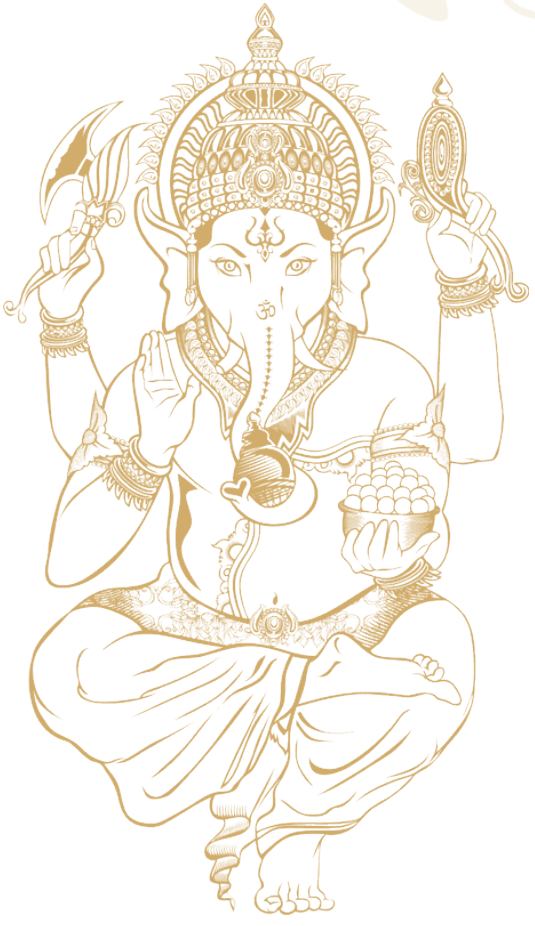

Richa (Amrita)

01 Mar 1994

05:23 PM

Muzaffarpur

Model: web-freekundliweb

Order No: 121637003

लिंग	स्त्रीलिंग
जन्म तिथि	**01/03/1994**
दिन	मंगलवार
जन्म समय	**17:23:00 घंटे**
इष्ट	27:55:51 घटी
स्थान	**Muzaffarpur**
राज्य	Bihar
देश	India

अक्षांश	26:07:00 उत्तर
रेखांश	85:23:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	00:11:32 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	17:34:32 घंटे
वेलान्तर	-00:12:27 घंटे
साम्पातिक काल	04:10:45 घंटे
सूर्योदय	06:12:39 घंटे
सूर्यास्त	17:49:29 घंटे
दिनमान	11:36:50 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	वसन्त
सूर्य के अंश	16:53:13 कुम्भ
लग्न के अंश	11:47:50 सिंह

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	सिंह - सूर्य
राशि-स्वामी	**तुला - शुक्र**
नक्षत्र-चरण	**चित्रा - 4**
नक्षत्र स्वामी	मंगल
योग	वृद्धि
करण	बालव
गण	राक्षस
योनि	व्याघ्र
नाड़ी	मध्य
वर्ण	शूद्र
वश्य	मानव
वर्ग	मृग
युँजा	मध्य
हंसक	वायु
जन्म नामाक्षर	री-रीतिका
पाया(राशि-नक्षत्र)	ताम्र - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मीन

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			सिंह	11:47:50	319:53:54	मघा	4	10	सूर्य	केतु	बुध	---
सूर्य			कुंभ	16:53:13	01:00:12	शतभिषा	4	24	शनि	राहु	शुक्र	शत्रु राशि
चंद्र			तुला	04:29:26	14:39:50	चित्रा	4	14	शुक्र	मंगल	शुक्र	सम राशि
मंगल		अ	कुंभ	01:31:46	00:47:10	धनिष्ठा	3	23	शनि	मंगल	बुध	सम राशि
बुध	व		मक	29:38:11	00:25:46	धनिष्ठा	2	23	शनि	मंगल	शनि	सम राशि
गुरु	व		तुला	20:52:30	00:00:10	विशाखा	1	16	शुक्र	गुरु	गुरु	शत्रु राशि
शुक्र			कुंभ	27:21:43	01:14:51	पू०भाद्रपद	3	25	शनि	गुरु	शुक्र	मित्र राशि
शनि		अ	कुंभ	10:00:27	00:07:16	शतभिषा	2	24	शनि	राहु	गुरु	मूलत्रिकोण
राहु	व		वृश्चि	03:09:29	00:04:03	विशाखा	4	16	मंगल	गुरु	राहु	शत्रु राशि
केतु	व		वृष	03:09:29	00:04:03	कृतिका	2	3	शुक्र	सूर्य	शनि	सम राशि
हर्ष			मक	01:06:05	00:02:44	उत्तराषाढ़ा	2	21	शनि	सूर्य	राहु	---
नेप			धनु	28:46:02	00:01:40	उत्तराषाढ़ा	1	21	गुरु	सूर्य	मंगल	---
प्लूटो	व		वृश्चि	04:17:36	00:00:00	अनुराधा	1	17	मंगल	शनि	शनि	---
दशम भाव			वृष	10:52:27	--	रोहिणी	--	4	शुक्र	चंद्र	चंद्र	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:46:47

लग्न-चलित

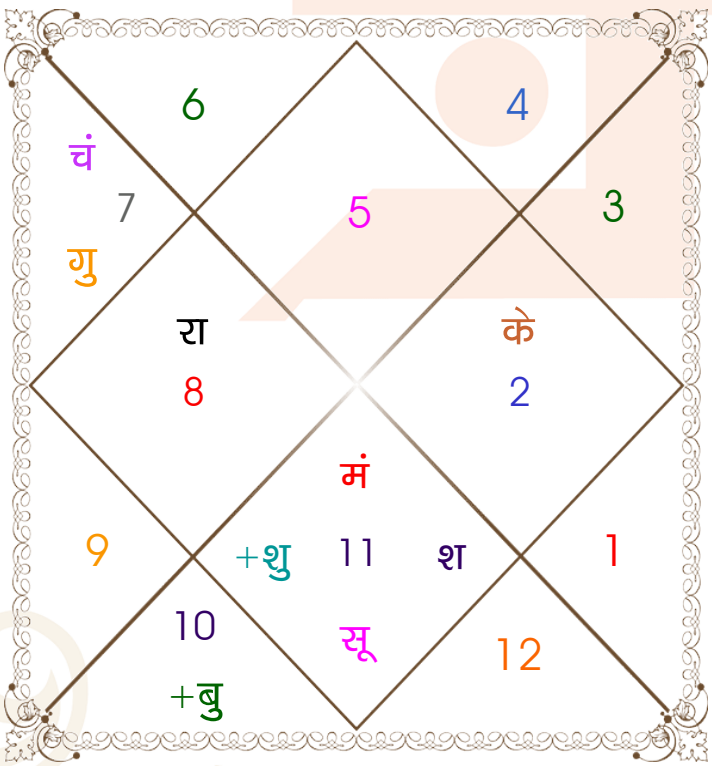

चन्द्र कुंडली

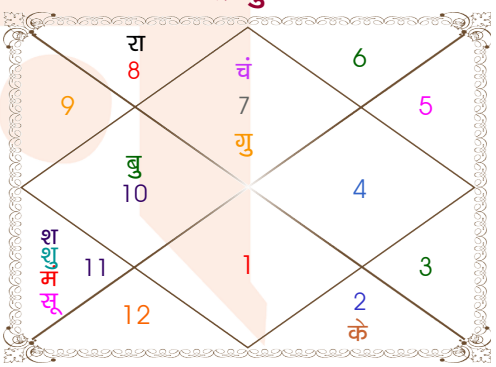

नवमांश कुंडली

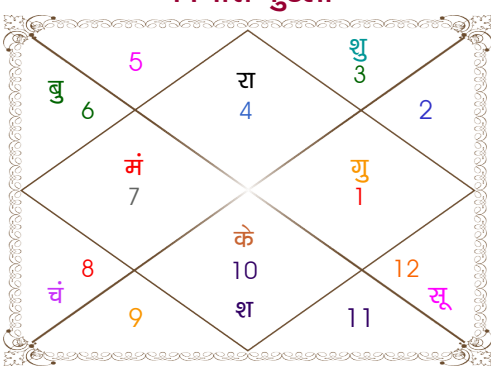

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : मंगल 1 वर्ष 1 मास 21 दिन

मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष	
01/03/1994		23/04/1995		22/04/2013		22/04/2029		22/04/2048	
23/04/1995		22/04/2013		22/04/2029		22/04/2048		22/04/2065	
	00/00/0000	राहु	03/01/1998	गुरु	10/06/2015	शनि	25/04/2032	बुध	18/09/2050
	00/00/0000	गुरु	28/05/2000	शनि	22/12/2017	बुध	03/01/2035	केतु	16/09/2051
	00/00/0000	शनि	04/04/2003	बुध	28/03/2020	केतु	12/02/2036	शुक्र	17/07/2054
	00/00/0000	बुध	22/10/2005	केतु	04/03/2021	शुक्र	13/04/2039	सूर्य	23/05/2055
	00/00/0000	केतु	09/11/2006	शुक्र	03/11/2023	सूर्य	25/03/2040	चंद्र	21/10/2056
	01/03/1994	शुक्र	09/11/2009	सूर्य	22/08/2024	चंद्र	25/10/2041	मंगल	19/10/2057
शुक्र	17/05/1994	सूर्य	04/10/2010	चंद्र	22/12/2025	मंगल	04/12/2042	राहु	07/05/2060
सूर्य	21/09/1994	चंद्र	04/04/2012	मंगल	27/11/2026	राहु	09/10/2045	गुरु	13/08/2062
चंद्र	23/04/1995	मंगल	22/04/2013	राहु	22/04/2029	गुरु	22/04/2048	शनि	22/04/2065

केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष	
22/04/2065		22/04/2072		22/04/2092		22/04/2098		23/04/2108	
22/04/2072		22/04/2092		22/04/2098		23/04/2108		00/00/0000	
केतु	18/09/2065	शुक्र	22/08/2075	सूर्य	09/08/2092	चंद्र	21/02/2099	मंगल	19/09/2108
शुक्र	18/11/2066	सूर्य	22/08/2076	चंद्र	08/02/2093	मंगल	22/09/2099	राहु	07/10/2109
सूर्य	26/03/2067	चंद्र	22/04/2078	मंगल	16/06/2093	राहु	24/03/2101	गुरु	13/09/2110
चंद्र	25/10/2067	मंगल	22/06/2079	राहु	11/05/2094	गुरु	24/07/2102	शनि	23/10/2111
मंगल	22/03/2068	राहु	22/06/2082	गुरु	27/02/2095	शनि	22/02/2104	बुध	19/10/2112
राहु	10/04/2069	गुरु	20/02/2085	शनि	09/02/2096	बुध	23/07/2105	केतु	18/03/2113
गुरु	17/03/2070	शनि	22/04/2088	बुध	15/12/2096	केतु	21/02/2106	शुक्र	02/03/2114
शनि	26/04/2071	बुध	21/02/2091	केतु	22/04/2097	शुक्र	23/10/2107		00/00/0000
बुध	22/04/2072	केतु	22/04/2092	शुक्र	22/04/2098	सूर्य	23/04/2108		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल मंगल 1 वर्ष 1 मा 24 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म मघा नक्षत्र के चतुर्थ चरण में सिंह लग्नोदय काल हुआ था। साथ-साथ जन्मकाल मेदिनीय क्षितिज पर कर्क राशि का नवमांश तथा धनु राशि का द्रेष्काण भी उदित हुआ था। इस समन्वित ग्रह योग के प्रभाव से यह स्पष्ट हो रहा है कि आपका सामान्य एवं वैवाहिक जीवन अति उत्तम रहेगा। आप अपने पिता के साथ अथवा अपने पुत्र के साथ आरामदेह एवं आनंदपूर्ण जीवन बिताएंगी। परंतु यह आभास मिलता है कि आपके पिता के साथ तथा पुत्रों के साथ कोई सामान्य समस्याओं से युक्त दिक्तों का सामना करना पड़ सकता है। आपके जीवन में कतिपय नकारात्मक व्यवधान को छोड़कर शेष जीवन उच्च स्तरीय सुख-सुविधापूर्ण बीतेगा। आप उच्च प्रशासनिक पद पर प्रतिष्ठित होकर पूर्ण फलदायी जीवन व्यतीत करेंगी, तथा अपने पारिवारिक सदस्यों का स्नेह एवं अन्य व्यक्तियों के द्वारा सम्मान प्राप्ति का आनंद प्राप्त करेंगी।

आपको योजना बद्ध तरीके से धन का व्यय करने के प्रति सतर्क रहना होगा। आप अन्य व्यक्तियों के समक्ष अपना प्रभावशाली अस्तित्व को प्रदर्शित करने के लिए अपने लिए तथा पारिवारिक सदस्यों के पहनावा, वस्त्राभूषण पर बहुत अधिक व्यय करेंगी। आप अधिक मात्रा में अपने व्यवसायी पार्टनर तथा मित्रों को घर पर बुला कर, खान-पान एवं सम्मान पर अत्यंत धन का व्यय करेंगी।

आप उदार एवं दानी प्रवृत्ति की महिला है तथा समाज के कमजोर वर्ग की सहायता हेतु आर्थिक मदद करने की व्यवस्था करेंगी। अस्तु यह संभाव्य है कि आपकी बृद्धावस्था में धन के अभाव का पश्चाताप युक्त दुखद अनुभव करना पड़े। अतएव आपको परिस्थिति के अनुकूल धन के व्यय की उचित योजना बना कर सभी कार्यों का संपादन अर्थात् धन का व्यय करना चाहिए।

आप में जन्म से ही नेतृत्व के गुण विद्यमान है, तथा आपको कब क्या कार्य करना चाहिए। इस बात का भी ज्ञान है। आप अपनी जन्मजात प्रवृति से नेतागिरी का पूर्ण व्यवहार करेंगी। ऐसी आशा है कि आप निगमायुक्त एवं बड़ी कंपनी के उच्च पद पर आसीन होंगी। क्योंकि आप आश्चर्यजनक प्रभावशाली गुण के कारण शीघ्रता पूर्वक चमत्कारपूर्ण संबंध बना लेती हैं। आप सफलता प्राप्ति हेतु किसी भी पद का भार ग्रहण करने के योग्य हैं।

आप अपने अत्याधिक कार्यक्रमों के अनुसार तथा यात्रा क्रम से अत्यंत व्यस्त तथा अनेक कार्यों में संलग्न रहेंगीं। आप उत्तरदायीत्व पूर्ण कार्य प्रबंध करते हुए भी अपने पारिवारिक सदस्यों को बहुत स्नेह संबंध के लिए अपना बहुमूल्य समय प्रदान करेंगी।

आप में आंशिक अभिनयात्मक भावना विद्यमान हैं तथा आप में ऐसी सक्षमता है कि परिस्थिति के अनुरूप अपने को उपयुक्त बना लेती हैं। प्रायः आप आनंद प्राप्त करने में निमग्न हो जाया करती हैं। परंतु आप पर्याप्त मात्रा में अच्छे कार्यक्रमों को सुरूचिपूर्ण ढंग से संपादन करती हैं।

आप अधिक दिनों तक स्वस्थ रहेंगी। परंतु वृद्धावस्था में किसी प्रकार का जोखिम भरा कार्य करोगी तो आप हृदय संबंधी दिक्कतों तथा पीठ के रीड की हड्डियों के रोग की भुक्त भोगी होंगी। क्योंकि आपकी प्रवृत्ति उत्तेजनात्मक, चिंताग्रस्त स्वभाव एवं बेसुधपना जीवन के प्रति चिंता बना सकता है। अतः आप शांति ग्रहण कर विश्राम करें। आपके लिए उत्तम तो यह है कि प्रत्येक माह में पूर्णिमा के दिन उपवास रखें।

सम्प्रति प्रायः अधिक लोग काला और सफेद वस्त्रों का त्यागकर देते हैं। परंतु आपके लिए अनुकूल रंग हरा, नारंगी एवं लाल रंग भाग्यशाली है।

आप अंक 2, 7 एवं 8 अंक के प्रति सतर्क रहें क्योंकि ये अंक आपके लिए उपयुक्त नहीं है। इसके अतिरिक्त अंक 1, 4, 5, एवं 6 अंक आपके लिए अनुकूल प्रमाणित होंगे।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में भाग्यशाली दिन रविवार, मंगलवार, और गुरुवार का दिन किसी भी बड़े कार्यों को प्रारंभ करने के लिए उपयुक्त एवं ठीक है। परंतु बुधवार, शुक्रवार एवं शनिवार का दिन आपके नये कार्य-कलाप के प्रारंभ करने हेतु अनुपयुक्त हैं। कृपया इन तीन दिनों को अव्यवहारणीय समझे। सोमवार आप के लिए मध्य फलदायक है।